E.P.C → 2

~~Drama~~ and Art
~~Drama~~

कला शिक्षण की विधियाँ और तकनीके

कला शिक्षण विधियो और तकनीको के निम्न तीन स्पष्ट उद्देश्य है →

1) विद्यार्थियो के लिए कला अधिगम को सुसाध्य बनाना
2) विद्यार्थियो को कला अधिगम में व्यस्त करना और
3) विद्यार्थीयो को कला अधिगम हेतु केन्द्रित करना

कला या अन्य किसी भी विषय के अध्यापन के लिए किसी एक ही विधि को उत्तम विधि नहीं कहा जा सकता। विद्यार्थियो की रुचि बनाए रखने के लिए भिन्न-भिन्न प्रकरणो के लिए भिन्न-भिन्न शिक्षण विधियो और तकनीको का प्रयोग ही उचित है। शिक्षण विधियो में वे सिद्धान्त और तकनीक निहित होते है, जिनका प्रयोग अनुदेशन मे करके अध्यापक विद्यार्थियो के लिए वांछित अधिगम का मार्ग प्रशस्त करता है। आंशिक रूप से विषय-वस्तु और आंशिक रूप से विद्यार्थियो की प्रकृति पर शिक्षण विधियो का चयन निर्भर होता है। मनोवैज्ञानिक ~~ड~~ डेविस (1997) ने सुझाव दिया है कि शिक्षण विधि का चयन केवल विषय-वस्तु के आधार पर ही न किया जाए, यह भी ध्यान रखा जाए कि विद्यार्थी कैसे सीखता है।

Scanned with CamScanner

कला की कक्षाओ में सृजनात्मकता के उत्पत्ति की प्रवृति होती है। सृजनात्मकता का उत्पत्ति तर्क-शक्ति के विकास द्वारा सम्भव है। अतः कला के शिक्षण के लिए उन विधियों को विशेष प्राथमिकता दी जाती है जो ज्ञान, प्रत्यय और विचार के आधार पर तर्क शक्ति का विकास कर सके। सामान्य रूप से शिक्षण विधियो को दो वर्गों में विभाजित किया गया है →

अध्यापक केन्द्रित (Teacher Centered) → अध्यापक केन्द्रित उपागम में अध्यापक मुख्य होता है। विद्यार्थियो को 'खाली बर्तन' माना जाता है। विद्यार्थी निष्क्रियता से अध्यापको के अनुदेश से सूचनाएं ग्रहण करता है। सूचनाएँ ग्रहण करने का अन्तिम लक्ष्य परीक्षण और मापन होता है।

विद्यार्थी - केन्द्रित (Student Centered) → विद्यार्थी केन्द्रित उपागम में यद्यपि अध्यापक विशेषज्ञ होता है, परन्तु अधिगम प्रक्रिया में अध्यापक और विद्यार्थी दोनो बराबर सक्रिय भूमिका निभाते है। विद्यार्थियो को प्रशिक्षण देना और उनके लिए अधिगम को सुसाध्य बनाना अध्यापक की प्राथमिक भूमिका है। विद्यार्थियो के अधिगम का मापन औपचारिक और अनौपचारिक दोनो रूपो में किया जाता है जिसमे निम्न तकनीके सम्मिलित है →

(1) समूह परियोजना
(2) विद्यार्थी के पौर्टफोलियो

Scanned with CamScanner

Scanned with CamScanner